अध्याय-6

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का वित्तीय निष्पादन

6.1 प्रस्तावना

6.1.1 सरकारी कंपनी की परिभाषा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) में सरकारी कंपनी को ऐसी कंपनी के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें कम से कम 51 प्रतिशत प्रदत्त शेयर पूंजी केंद्र सरकार, या किसी राज्य सरकार या सरकारों, या आंशिक रूप से केंद्र सरकार और आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों के पास हो और इसमें वह कंपनी भी शामिल है जो किसी सरकारी कंपनी की सहायक कंपनी है।

इसके अतिरिक्त, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार द्वारा, या किसी राज्य सरकार या सरकारों द्वारा, या आंशिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा और आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा स्वामित्व वाली या नियंत्रित किसी अन्य कंपनी[1] को इस प्रतिवेदन में सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों के रूप में संदर्भित किया गया है।

6.1.2 लेखापरीक्षा का अधिदेश

सरकारी कंपनियों और सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 और उसके अधीन बनाए गए विनियमों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) से 143(7) के प्रावधानों के अंतर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) द्वारा की जाती है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक कंपनियों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों के रूप में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की नियुक्ति करते हैं तथा लेखों की लेखापरीक्षण के तरीके के बारे में निर्देश देते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक को कंपनी के वित्तीय विवरणों की पूरक लेखापरीक्षा करने का अधिकार है। सांविधिक निगमों की लेखापरीक्षा उनके संबंधित विधानों द्वारा शासित होती है। हरियाणा राज्य भंडारण निगम और हरियाणा वित्तीय निगम के संबंध में, लेखापरीक्षा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा की जाती है और पूरक लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है।

6.1.3 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में उनका योगदान

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य सरकार की कंपनियां और सांविधिक निगम शामिल हैं। राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए वाणिज्यिक प्रकृति की गतिविधियों को चलाने के लिए स्थापित किए जाते हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण

---

[1] कॉर्पोरेट मामले मंत्रालय द्वारा दिनांक 4 सितंबर 2014 की राजपत्र अधिसूचना के अंतर्गत कंपनी (कठिनाइयों का निवारण) सातवां आदेश, 2014 जारी किया गया।

स्थान रखते हैं। 31 मार्च 2023 तक, राज्य में 37 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम[2] थे। इनमें दो[3] सांविधिक निगम, 29 सरकारी कंपनियां (तीन निष्क्रिय सरकारी कंपनियों[4] सहित) और सरकार द्वारा नियंत्रित छः अन्य कंपनियां शामिल थी, ये सभी भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत हैं। इन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के नाम ***परिशिष्ट 6.1*** में दिए गए हैं।

हरियाणा वित्तीय निगम नामक एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है। राज्य में तीन[5] निष्क्रिय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (जिनमें से एक परिसमापनाधीन है) हैं। 31 मार्च 2023 तक, इन निष्क्रिय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य का पूंजी निवेश ₹ 11.13 करोड़ था। एक[6] राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की परिसमापन प्रक्रिया 19 वर्षों से चल रही है और अभी पूरी होनी शेष है। सरकार इन निष्क्रिय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को शीघ्र बंद करने पर विचार करे क्योंकि ये निवेश राज्य के आर्थिक विकास में योगदान नहीं देते हैं।

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के टर्नओवर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद से अनुपात राज्य की अर्थव्यवस्था में राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की गतिविधियों के योगदान को दर्शाता है। कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के टर्नओवर का विवरण ***परिशिष्ट 6.2*** में दिया गया है। 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाली तीन वर्षों की अवधि के लिए कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का टर्नओवर और राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद ***तालिका 6.1*** में दिया गया है।

---

2 इस अध्याय में 31 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के विवरण पर चर्चा की गई है, क्योंकि तीन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों, अर्थात् फरीदाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड और हरियाणा कौशल रोजगार लिमिटेड, के प्रथम लेखे उनके गठन के बाद से प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके अतिरिक्त, तीन निष्क्रिय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों, अर्थात् हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, हरियाणा राज्य लघु सिंचाई एवं नलकूप निगम लिमिटेड और हरियाणा राज्य आवास वित्त निगम लिमिटेड, के विवरण इसमें शामिल नहीं है।

3 हरियाणा वित्तीय निगम और हरियाणा राज्य भंडारण निगम।

4 निष्क्रिय सरकारी कंपनी से तात्पर्य ऐसी कंपनी से है जो कोई कारोबार या परिचालन नहीं कर रही है, या जिसने कोई महत्वपूर्ण लेखा लेनदेन नहीं किया है, तथा जिसने पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल नहीं किया है।

5 हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड (2001-02 से निष्क्रिय), हरियाणा राज्य लघु सिंचाई एवं नलकूप निगम लिमिटेड (जुलाई 2002 से निष्क्रिय) और हरियाणा राज्य आवास वित्त निगम लिमिटेड (2003-04 से निष्क्रिय)।

6 हरियाणा राज्य आवास वित्त निगम लिमिटेड।

तालिका 6.1: हरियाणा के सकल राज्य घरेलू उत्पाद की तुलना में राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के टर्नओवर का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23
टर्नओवर			
विद्युत क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	32,216	37,657	53,726
वित्त क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	19	49	56
सेवा क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	354	414	417
अवसंरचना क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	3,466	2,279	2,363
अन्य राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	2,814	652	660
कुल	**38,869**	**41,051**	**57,222**
हरियाणा का सकल राज्य घरेलू उत्पाद	7,58,507	8,95,672	9,94,154
हरियाणा के सकल राज्य घरेलू उत्पाद से टर्नओवर की प्रतिशतता			
विद्युत क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	4.24	4.20	5.40
वित्त क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	0.002	0.005	0.006
सेवा क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	0.05	0.05	0.04
अवसंरचना क्षेत्र राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	0.46	0.25	0.24
अन्य राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	0.37	0.07	0.07
कुल	**5.12**	**4.58**	**5.76**

स्रोत: **वर्ष-दर-वर्ष तुलना के लिए संबंधित वर्षों की वर्तमान कीमतों पर हरियाणा सरकार के आर्थिक और सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग के अनुसार राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के नवीनतम अंतिम लेखों के अनुसार टर्नओवर आंकड़ों और सकल राज्य घरेलू उत्पाद आंकड़ों (अग्रिम अनुमान) के आधार पर संकलन।**

राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का योगदान 2021-22 में 4.58 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 5.76 प्रतिशत हो गया। 2022-23 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद में विद्युत क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का अंशदान ₹ 53,726 करोड़ (5.40 प्रतिशत) था। यद्यपि अन्य सभी क्षेत्रों का अंशदान न्यूनतम ₹ 3,496 करोड़ (0.36 प्रतिशत) था, तथापि उनके पास 2,919 कर्मचारी (प्रतिनियुक्ति/अनुबंध आधार पर कार्यरत कर्मचारियों सहित) कार्यरत थे। 31 मार्च 2023 तक, राज्य सरकार ने अन्य क्षेत्रों के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में ₹ 1,077.29 करोड़ (इक्विटी: ₹ 896.41 करोड़ और दीर्घावधि: ₹ 180.88 करोड़) का निवेश किया था। इसके अतिरिक्त, 2022-23 के दौरान, हरियाणा सरकार द्वारा इनमें से नौ राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को ₹ 336.05 करोड़ का अनुदान और सब्सिडी प्रदान की गई थी।

6.2 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में निवेश और बजटीय सहायता

6.2.1 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में इक्विटी होल्डिंग और ऋण

31 मार्च 2023 तक राज्य सरकार द्वारा कुल इक्विटी और इक्विटी अंशदान तथा 31 कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य सरकार द्वारा दिए गए ऋणों सहित दीर्घावधि ऋणों की क्षेत्रवार स्थिति ***तालिका 6.2*** में दी गई है।

तालिका 6.2: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में क्षेत्रवार निवेश

क्षेत्र का नाम	निवेश (₹ करोड़ में)					कुल इक्विटी और दीर्घावधि ऋणों की प्रतिशतता
	कुल इक्विटी	राज्य सरकार की इक्विटी	कुल दीर्घावधि ऋण	राज्य सरकार के ऋण	कुल इक्विटी और दीर्घावधि ऋण	
विद्युत	36,781.25	35,651.99	10,982.04	0	**47,763.29**	**88.50**
वित्त	322.05	291.38	119.77	0	**441.82**	**0.82**
सेवा	149.32	77	0	0	**149.32**	**0.28**
अवसंरचना	1,827.94	518.25	3,620.2	112.94	**5,448.14**	**10.09**
अन्य	17.74	9.78	150.73	67.94	**168.47**	**0.31**
कुल	**39,098.30**	**36,548.40**	**14,872.74**	**180.88**	**53,971.04**	**100.00**

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी।

इन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में इक्विटी और सावधि ऋण में निवेश नीचे दिए गए ***चार्ट 6.1*** में देखा जा सकता है:

चार्ट 6.1: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में इक्विटी और सावधि ऋण में निवेश

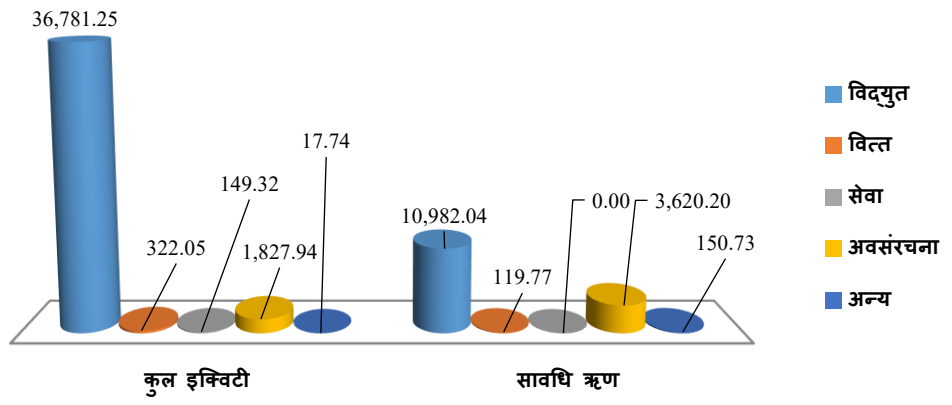

निवेश का जोर विद्युत क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों पर था, जिन्हें 31 मार्च 2023 तक ₹ 53,971.04 करोड़ के कुल निवेश का 88.50 प्रतिशत (₹ 47,763.29 करोड़) प्राप्त हुआ था। राज्य सरकार का हिस्सा ₹ 53,971.04 करोड़ के कुल निवेश का 68.05 प्रतिशत (₹ 36,729.28 करोड़) था।

31 मार्च 2023 तक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के बकाया दीर्घकालिक ऋणों के विश्लेषण से यह देखा गया था कि एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम अर्थात् हरियाणा कृषि उद्योग निगम लिमिटेड ने गोदाम के निर्माण के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से ₹ 12.84 करोड़ की राशि के चार ऋण लिए (मार्च 2013 से मार्च 2014)। ये ऋण अप्रैल 2015 से अप्रैल 2016 तक पांच समान तिमाही किश्तों में चुकाए जाने थे। तथापि, इन ऋणों का भुगतान नहीं किया गया और 31 मार्च 2023 तक बकाया राशि ₹ 24.75 करोड़ (मूलधन: ₹ 12.84 करोड़ और ब्याज: ₹11.91 करोड़) थी।

6.2.2 बजटीय सहायता

हरियाणा सरकार वार्षिक बजट के माध्यम से विभिन्न रूपों में राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। मार्च 2023 को समाप्त होने वाले पिछले तीन वर्षों के

दौरान राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[7] के संबंध में इक्विटी, ऋण, अनुदान/सब्सिडी, चुकाए गए/बट्टे खाते में डाले गए ऋणों और इक्विटी में परिवर्तित ऋणों के लिए बजटीय निर्गम का संक्षिप्त विवरण ***तालिका 6.3*** में दिया गया है।

तालिका 6.3: वर्षों के दौरान राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को बजटीय सहायता के संबंध में विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21		2021-22		2022-23	
	राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या	राशि	राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या	राशि	राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या	राशि
(i) इक्विटी कैपिटल आउटगो	6	631.67	4	151.93	9	200.12
(ii) दिए गए ऋण	5	104.98	5	101.09	4	407.76
(iii) प्रदान किए गए अनुदान/सब्सिडी	7	438.52	8	442.54	9	336.05
कुल निर्गम (i+ii+iii)		**1,175.17**				**943.93**
ऋण पुनर्भुगतान/बट्टे खाते में डाला गया	4	254.66	6	245.72	3	297.70
ऋणों को इक्विटी में परिवर्तित किया गया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
जारी की गई गारंटियां	5	3,793.00	6	2,336.85	5	2,650.16
गारंटी प्रतिबद्धता	8	8,698.72	9	9,148.73	9	11,447.93

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा प्रदान की गई जानकारी।

6.2.3 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में इक्विटी निवेश का बाजार पूंजीकरण

बाजार पूंजीकरण सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के बाजार मूल्य को दर्शाता है। केवल एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम अर्थात हरियाणा वित्तीय निगम, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है। यद्यपि हरियाणा वित्तीय निगम एक सूचीबद्ध संस्था है, इसने मई 2010 के बाद से कोई नया ऋण संस्वीकृत नहीं किया है और निगम के शेयरों की अंतिम ट्रेडिंग 13 जुलाई 2011 को ₹ 24.65 के मूल्य पर हुई थी।

6.2.4 विनिवेश, पुनर्गठन और निजीकरण

वर्ष 2022-23 के दौरान, राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के निजीकरण का कोई मामला नहीं था। राज्य सरकार ने राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में निवेशित राज्य सरकार की इक्विटी के विनिवेश पर कोई नीति तैयार नहीं की है।

6.3 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों से रिटर्न

6.3.1 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा अर्जित लाभ

2022-23 के दौरान उपलब्ध अपने नवीनतम वित्तीय विवरणों में लाभ दर्ज करने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[8] की संख्या 2021-22 में 20 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की तुलना में घटकर 19 हो गई। अर्जित लाभ 2021-22 में ₹ 648.75 करोड़[9] से बढ़कर 2022-23 में ₹ 1,049.20 करोड़ हो गया। लाभ अर्जित करने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 2021-22 में 10.32 प्रतिशत की तुलना में 2022-23 में 6.73 प्रतिशत

---

7 2022-23 के दौरान निष्क्रिय कंपनियों को कोई निवेश/बजटीय सहायता नहीं दी गई।

8 एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम अर्थात फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड को छोड़कर, जिसका वार्षिक लेखा 2020-21 के लिए कोई लाभ या हानि नहीं है।

9 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लाभ के आंकड़े अन्य व्यापक आय/व्यय के प्रभाव पर विचार करने के बाद लिए गए हैं।

रहा। सभी 31 कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के लिए उनके नवीनतम वित्तीय विवरणों के अनुसार 2022-23 में इक्विटी पर रिटर्न 6.45 प्रतिशत था।

लाभ अर्जित करने वाले शीर्ष तीन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का उल्लेख उनके नवीनतम उपलब्ध वित्तीय विवरणों के अनुसार नीचे ***तालिका 6.4*** में किया गया है।

तालिका 6.4: शीर्ष तीन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम जिन्होंने वर्ष 2022-23 के दौरान लाभ में योगदान दिया

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का नाम	अर्जित निवल लाभ (₹ करोड़ में)	राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के कुल लाभ में लाभ की प्रतिशतता
हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड	396.02	37.74
हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड	171.03	16.30
दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड	127.18	12.12
कुल	**694.23**	**66.16**

उपर्युक्त तीन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने अकेले 2022-23 के दौरान 19 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा अर्जित कुल लाभ (₹ 1,049.20 करोड़) में 66.16 प्रतिशत का योगदान दिया था।

क्षेत्रवार निवल लाभ अनुपात[10] ***तालिका 6.5*** में दर्शाया गया है।

तालिका 6.5: वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का क्षेत्रवार निवल लाभ अनुपात

(₹ करोड़ में)

क्षेत्र	निवल लाभ	टर्नओवर	निवल लाभ अनुपात (प्रतिशत में)
विद्युत	731.07	53,726.37	1.36
वित्त	28.92	56.33	51.34
सेवा	11.19	416.64	2.69
अवसंरचना	205.29	2,362.59	8.69
अन्य	21.68	659.86	3.29
कुल	**998.15**	**57,221.79**	**1.74**

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की नवीनतम वित्तीय विवरणी।

चार्ट 6.2: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का निवल लाभ और टर्नओवर

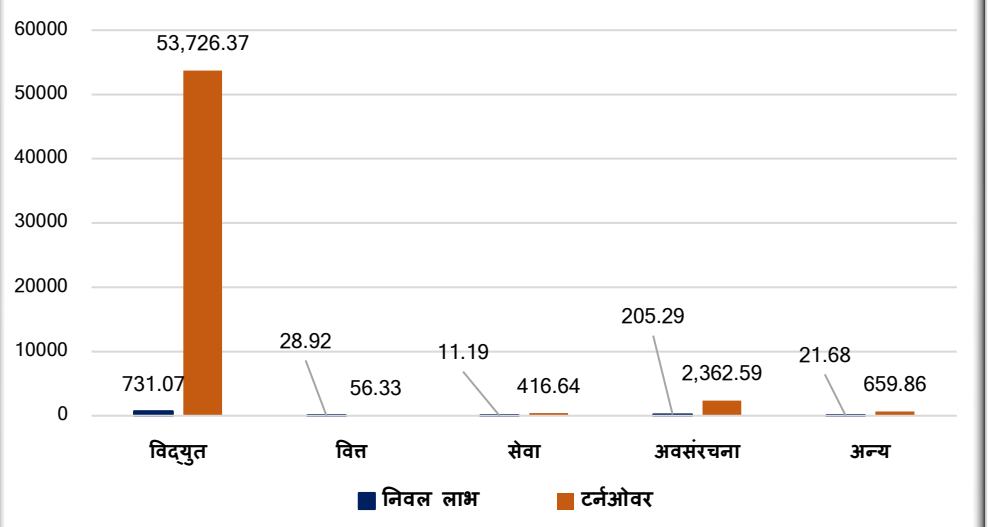

[10] निवल लाभ अनुपात = निवल लाभ/टर्नओवर*100.

6.3.2 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा लाभांश भुगतान

नौ राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अपने लेखों को अंतिम रूप दिया और ₹ 750.67 करोड़ का लाभ सूचित किया। राज्य सरकार ने दिशानिर्देश तैयार किए थे (अक्तूबर 2003) जिनके अंतर्गत सभी राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को राज्य सरकार की प्रदत्त शेयर पूंजी पर न्यूनतम चार प्रतिशत रिटर्न का भुगतान करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, वित्त मंत्री, हरियाणा सरकार ने वर्ष 2023-24 के अपने बजट भाषण में यह भी प्रस्ताव दिया कि वर्ष 2022-23 के लिए लाभ में रहने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम अपने लाभ का 25 प्रतिशत राज्य सरकार को अंतरित करेंगे ताकि सरकार अपने विकास लक्ष्यों को पूरा कर सके। नौ राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में से, सात राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लाभ दर्ज किया। तथापि, केवल एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड) ने ₹ 25 करोड़ (लाभ का 0.63 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया।

तीन[11] राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए वर्ष 2022-23 के दौरान घोषित अपने परिणामों पर ₹ 41.38 करोड़ के अपने निवल लाभ के विरूद्ध ₹ 4.84 करोड़[12] का लाभांश घोषित किया। पिछले तीन वर्षों में लाभांश भुगतान की स्थिति ***तालिका 6.6*** में विस्तृत रूप से दी गई है।

तालिका 6.6: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा लाभांश भुगतान

(₹ करोड़ में)

वर्ष	क्षेत्र	लाभांश घोषित करने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या	प्रदत्त पूंजी	निवल लाभ	लाभांश घोषित
2020-21	सेवा	1	5.00	4.73	0.20
	अन्य	1	5.84	58.68	8.80
	कुल	**2**	**10.84**	**63.41**	**9.00**
2021-22	अन्य	2	6.04	112.50	16.52
	कुल	**2**	**6.04**	**112.50**	**16.52**
2022-23	विद्युत	1	3,990.15	396.02	25
	अन्य	3	7.60	41.38	4.84
	कुल	**4**	**3,997.75**	**437.40**	**29.84**

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी।

6.3.3 नियोजित पूंजी पर रिटर्न

नियोजित पूंजी पर रिटर्न (आर.ओ.सी.ई.) एक अनुपात है जो किसी कंपनी की लाभप्रदता और उस दक्षता को मापता है जिसमें इसकी पूंजी नियोजित है। नियोजित पूंजी पर रिटर्न की गणना ब्याज एवं करों से पहले कंपनी की आय को नियोजित पूंजी[13] द्वारा विभाजित करके की जाती है। 2020-21 से 2022-23 की अवधि के दौरान राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की नियोजित पूंजी पर रिटर्न के विवरण ***तालिका 6.7*** में दिए गए हैं।

---

11 हरियाणा वन विकास निगम लिमिटेड, हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम लिमिटेड और हरियाणा भंडारण निगम।

12 हरियाणा वन विकास निगम लिमिटेड ने ₹ 0.06 करोड़ (30 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया, हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम लिमिटेड ने ₹ 0.06 करोड़ (4 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम ने ₹ 4.72 करोड़ (80.82 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया।

13 नियोजित पूंजी = प्रदत्त शेयर पूंजी + फ्री रिजर्व और अधिशेष + दीर्घावधि ऋण - संचित हानि - आस्थगित राजस्व व्यय।

तालिका 6.7: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा नियोजित पूंजी पर रिटर्न

(₹ करोड़ में)

वर्ष	क्षेत्र	ब्याज एवं करों से पूर्व की आय	नियोजित पूंजी	नियोजित पूंजी पर रिटर्न (प्रतिशत में)
2020-21	विद्युत	2,000.14	19,257.73	10.39
	वित्त	14.54	305.78	4.76
	सेवा	18.81	236.24	7.96
	अवसंरचना	2,281.50	9,085.49	25.11
	अन्य	116.42	181.62	64.10
	कुल	**4,431.41**	**29,066.86**	**15.25**
2021-22	विद्युत	2,363.60	19,235.75	12.29
	वित्त	40.38	338.70	11.92
	सेवा	42.32	252.51	16.76
	अवसंरचना	1,051.58	8057.92	13.05
	अन्य	164.65	256.06	64.30
	कुल	**3,662.53**	**28140.94**	**13.01**
2022-23	विद्युत	3,502.83	21,252.87	16.48
	वित्त	49.52	356.13	13.91
	सेवा	15.97	273.64	5.84
	अवसंरचना	1,073.92	9,824.22	10.93
	अन्य	53.73	210.73	25.50
	कुल	**4,695.97**	**31,917.59**	**14.71**

स्रोत: **राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की नवीनतम वित्तीय विवरणी। नियोजित पूंजी पर रिटर्न की गणना करते समय, 2020-21 में दो कंपनियों और 2022-23 और 2023-24 में प्रत्येक में तीन कंपनियों की नियोजित पूंजी और ब्याज एवं करों से पूर्व की आय के आंकड़ों को बाहर रखा गया है क्योंकि उन कंपनियों की नियोजित पूंजी ऋणात्मक थी और इसलिए नियोजित पूंजी पर रिटर्न अनिश्चित था। इसलिए, ऊपर गणना की गई नियोजित पूंजी पर रिटर्न क्षेत्रीय निष्पादन को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं कर सकता है।**

2020-21 से 2022-23 के दौरान नियोजित पूंजी पर समग्र रिटर्न धनात्मक रहा। इसके अतिरिक्त, 2021-22 की तुलना में 2022-23 में सेवा क्षेत्र, अवसंरचना क्षेत्र और अन्य क्षेत्र में नियोजित पूंजी पर रिटर्न में कमी आई।

6.3.4 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा इक्विटी पर रिटर्न

इक्विटी पर रिटर्न (आर.ओ.ई.) वित्तीय निष्पादन का एक उपाय है जो यह आकलन करता है कि लाभ कमाने के लिए किसी कंपनी की परिसंपत्तियों का कितना प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है। इक्विटी पर रिटर्न की गणना शेयरधारकों की निधि द्वारा निवल आय (अर्थात् करों के बाद निवल लाभ) को विभाजित करके की जाती है। इसे प्रतिशतता के रूप में व्यक्त किया जाता है और किसी भी कंपनी के लिए इसकी गणना की जा सकती है, यदि उसकी निवल आय और शेयरधारकों की निधि दोनों धनात्मक संख्याएं हैं।

लाभ अर्जित करने वाले 19 कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का इक्विटी पर रिटर्न 2022-23 में 6.73 प्रतिशत रहा। घाटे में चल रहे 11 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों सहित सभी 31 कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[14] का इक्विटी पर रिटर्न 2022-23 में 6.45 प्रतिशत रहा।

शेयरधारकों की निधि या निवल मूल्य की गणना प्रदत्त पूंजी और फ्री रिजर्व को जोड़कर की जाती है, जिसमें से संचित हानि और स्थगित राजस्व व्यय को घटाया जाता है, तथा यह पता चलता है कि यदि सभी परिसंपत्तियाँ बेच दी जाएं और सभी ऋण चुका दिए जाएं, तो कंपनी के

[14] इसमें न लाभ न हानि के आधार पर कार्यरत एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम भी शामिल है: फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड।

शेयरधारकों के लिए कितना धन बचेगा। एक सकारात्मक निवल मूल्य (शेयरधारक निधि) यह दर्शाती है कि कंपनी के पास अपनी देयताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त परिसंपत्तियां हैं, जबकि एक ऋणात्मक निवल मूल्य का अर्थ है कि देयताएं परिसंपत्तियों से अधिक हैं।

कार्यरत राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों से संबंधित शेयरधारक निधि और इक्विटी पर रिटर्न का विवरण नीचे ***तालिका 6.8*** में दिया गया है।

तालिका 6.8: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों से संबंधित इक्विटी पर रिटर्न

(₹ करोड़ में)

वर्ष	क्षेत्र	निवल आय	शेयरधारकों की निधि	इक्विटी पर रिटर्न (प्रतिशत)
2020-21	विद्युत	279.18	8,987.57	3.11
	वित्त	11.69	233.04	5.02
	सेवा	(-)35.13	228.29	--
	अवसंरचना	919.68	3,057.17	30.08
	अन्य	97.76	(-)28.25	--
	कुल	**1,273.18**	**12,477.82**	**10.20**
2021-22	विद्युत	(-)163.45	9,485.49	--
	वित्त	34	263.78	12.89
	सेवा	32.89	245.51	13.40
	अवसंरचना	177.90	3,411.72	5.21
	अन्य	107.76	3.23	3,336.22
	कुल	**189.10**	**13,409.73**	**1.41**
2022-23	विद्युत	731.07	10,270.83	7.12
	वित्त	28.92	271.40	10.66
	सेवा	11.19	264.00	4.24
	अवसंरचना	205.29	4,749.65	4.32
	अन्य	21.68	(-)85.92	--
	कुल	**998.15**	**15,469.96**	**6.45**

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की नवीनतम वित्तीय विवरणी।

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का इक्विटी पर समग्र रिटर्न 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान अधिक था, जिसका श्रेय विद्युत क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा अर्जित लाभ को दिया जाता है, यद्यपि वित्त क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों, सेवा क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों और अन्य क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की निवल आय में कमी के परिणामस्वरूप वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान उक्त क्षेत्रों के इक्विटी पर रिटर्न में कमी आई।

6.4 ऋण सेवा

6.4.1 ब्याज कवरेज अनुपात

ब्याज कवरेज अनुपात का उपयोग किसी कंपनी के बकाया ऋण पर ब्याज का भुगतान करने की क्षमता को निर्धारित करने के लिए किया जाता है और इसकी गणना उसी अवधि के ब्याज खर्चों द्वारा एक कंपनी की ब्याज एवं करों से पूर्व की आय (ईबीआईटी) से विभाजित करके की जाती है। अनुपात जितना कम होगा, उधार पर ब्याज का भुगतान करने में कंपनी की क्षमता उतनी ही कम होगी। एक से कम ब्याज कवरेज अनुपात यह दर्शाता है कि कंपनी ब्याज पर अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व सृजित नहीं कर रही थी। ब्याज भार वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में ब्याज कवरेज अनुपात का विवरण नीचे ***तालिका 6.9*** में दिया गया है।

तालिका 6.9: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का ब्याज कवरेज अनुपात

(₹ करोड़ में)

वर्ष	क्षेत्र	ब्याज	ब्याज एवं करों से पूर्व की आय (ईबीआईटी)	सरकार और अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण देयता वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या	1 से अधिक ब्याज कवरेज अनुपात वाली कंपनियों की संख्या	1 से कम ब्याज कवरेज अनुपात वाली कंपनियों की संख्या
2020-21	विद्युत	1,222.34	2,000.14	4	4	-
	वित्त	2.80	14.54	2	2	-
	सेवा	1.49	(-)22.87	2	1	1
	अवसंरचना	914.63	2,281.50	3	2	1
	अन्य	103.97	184.43	3	2	1
	कुल	**2,245.23**	**4,457.74**	**14**	**11**	**3**
2021-22	विद्युत	1,164.26	2,363.60	4	4	-
	वित्त	2.75	40.38	2	2	-
	सेवा	1.34	(-)1.44	2	0	2
	अवसंरचना	838.53	1,051.58	3	1	2
	अन्य	40.80	187.51	3	2	1
	कुल	**2,047.68**	**3,576.55**	**14**	**9**	**5**
2022-23	विद्युत	1,335.83	3,502.83	4	4	-
	वित्त	15.88	23.81	3	3	-
	सेवा	1.34	17.38	2	1	1
	अवसंरचना	841.86	1,038.06	4	2	2
	अन्य	31.39	46.35	3	2	1
	कुल	**2,226.30**	**4,628.43**	**16**	**12**	**4**

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की नवीनतम वित्तीय विवरणी।

यह देखा गया था कि विद्युत और वित्त क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का ब्याज कवरेज अनुपात 2022-23 के दौरान एक से अधिक था। तथापि, सेवा, अवसंरचना और अन्य क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के मामले में, केवल पांच राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का ब्याज कवरेज अनुपात एक से अधिक था और शेष चार राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का ब्याज कवरेज अनुपात एक से कम था। इस प्रकार, ये राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम ब्याज पर अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न नहीं कर रहे थे।

6.5 हानि उठाने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम

6.5.1 उठाई गई हानि

वर्ष 2022-23 के दौरान अंतिम रूप दिए गए अपने नवीनतम लेखों के अनुसार 11 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[15] ने हानि सूचित की। पिछले तीन वर्षों के दौरान हानि की सूचना देने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की स्थिति नीचे ***तालिका 6.10*** में दी गई है।

[15] (i) हरियाणा महिला विकास निगम (ii) हार्ट्रॉन इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड (iii) गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड (iv) हरियाणा रोडवेज अभियांत्रिकी निगम लिमिटेड (v) हरियाणा पर्यटन निगम लिमिटेड (vi) ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज हरियाणा लिमिटेड (vii) हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (viii) हरियाणा पुलिस आवास निगम लिमिटेड (ix) हरियाणा कृषि उद्योग निगम लिमिटेड (x) हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय बागवानी विपणन निगम लिमिटेड और (xi) पानीपत प्लास्टिक पार्क हरियाणा लिमिटेड। तीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों अर्थात फरीदाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड और हरियाणा कौशल रोजगार लिमिटेड ने अपने प्रथम लेखे प्रस्तुत नहीं किए हैं। एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड, के वार्षिक लेखा 2020-21 में न तो लाभ और न ही हानि दर्ज की गई है। इसलिए, इन चार सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों पर विचार नहीं किया गया है।

तालिका 6.10: 2020-21 से 2022-23 के दौरान हानि उठाने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या

(₹ करोड़ में)

वर्ष	क्षेत्र	हानि उठा रहे राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संख्या	वर्ष की निवल हानि	संचित लाभ/हानि	निवल मूल्य[16]	प्रदत्त पूंजी
2020-21	विद्युत	2	357.50	547.54	7,725.98	7,178.44
	वित्त	1	1.85	(-)109.34	98.32	207.66
	सेवा	4	63.51	(-)51.38	36.39	87.77
	अवसंरचना	3	2.82	(-)4.07	21.13	25.20
	अन्य	1	0.03	(-)0.04	0.96	1.00
	कुल	**11**	**425.71**	**382.71**	**7,882.78**	**7,500.07**
2021-22	विद्युत	2	426.49	(-)159.14	7,019.3	7,178.44
	वित्त	-	-	-	-	-
	सेवा	2	9.04	(-)4.11	36.76	40.87
	अवसंरचना	3	10.41	(-)11.88	241.36	253.24
	अन्य	2	13.71	(-)182.61	(-)177.47	5.14
	कुल	**9**	**459.65**	**(-)357.74**	**7,119.95**	**7,477.69**
2022-23	विद्युत	-	-	-	-	-
	वित्त	1	0.01	(-)0.14	16.47	16.61
	सेवा	6	21.43	(-)69.56	35.60	105.16
	अवसंरचना	2	5.93	(-)13.69	43.22	56.91
	अन्य	2	23.68	(-)210.31	(-)205.17	5.14
	कुल	**11**	**51.05**	**(-)293.70**	**(-)109.88**	**183.82**

स्रोत: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की नवीनतम वित्तीय विवरणी।

2022-23 में, 11 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा उनके नवीनतम वित्तीय परिणामों के अनुसार उठाए गई ₹ 51.05 करोड़ की कुल हानि में से ₹ 23.68 करोड़[17] (46.39 प्रतिशत) और ₹ 21.43 करोड़[18] (41.98 प्रतिशत) की हानि क्रमशः 'अन्य' क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों और सेवा क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के कारण हुई।

यह भी देखा गया था कि 2021-22 में हानि उठाने वाले नौ राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में से तीन[19] ने 2022-23 के दौरान लाभ अर्जित किया, जबकि 11 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में से चार[20] ने 2022-23 के दौरान हानि उठाई थी, लेकिन 2021-22 के दौरान लाभ अर्जित किया। एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज हरियाणा लिमिटेड) ने 2022-23 के दौरान अपने प्रथम लेखे में हानि उठाई।

6.5.2 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में पूंजी का क्षरण

31 मार्च 2023 तक, 15 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की संचित हानि ₹ 27,876.14 करोड़

---

16 निवल संपत्ति का अर्थ है प्रदत्त शेयर पूंजी और फ्री रिजर्व तथा अधिशेष में से संचित हानि और आस्थगित राजस्व व्यय को घटाकर प्राप्त कुल राशि। फ्री रिजर्व का अर्थ है लाभ से सृजित सभी आरक्षित निधियां, लेकिन इसमें परिसंपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन और मूल्यह्रास प्रावधान के अपलेखन से सृजित आरक्षित निधियां शामिल नहीं हैं।

17 हरियाणा कृषि उद्योग निगम लिमिटेड और हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय बागवानी विपणन निगम लिमिटेड।

18 (i) हार्ट्रोन इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड, (ii) गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड, (iii) हरियाणा रोडवेज अभियांत्रिकी निगम लिमिटेड, (iv) हरियाणा पर्यटन निगम लिमिटेड, (v) ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज हरियाणा लिमिटेड, (vi) पानीपत प्लास्टिक पार्क हरियाणा लिमिटेड।

19 (i) हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (ii) हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (iii) हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

20 (i) हरियाणा महिला विकास निगम लिमिटेड (ii) हार्ट्रोन इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड (iii) गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड और (iv) पानीपत प्लास्टिक पार्क हरियाणा लिमिटेड।

थी ***(परिशिष्ट 6.3)***। इनमें से, 10 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[21] को उनके नवीनतम अंतिमकृत लेखों के अनुसार ₹ 51.05 करोड़ की हानि हुई।

पांच राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[22] को उनके नवीनतम अंतिमकृत लेखों के अनुसार हानि नहीं हुई थी, यद्यपि उनकी संचित हानि ₹ 27,577.44 करोड़ थी। इन पांच में से, तीन विद्युत क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड) की संचित हानि ₹ 27,489.43 करोड़ थी।

31 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में से चार राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का निवल मूल्य उनकी संचित हानि के कारण पूरी तरह से समाप्त हो गया था। 31 मार्च 2023 तक यह ₹ 61.94 करोड़ के इक्विटी निवेश की तुलना में (-) ₹ 214.81 करोड़ था ***(तालिका 6.11)***। पिछले एक से नौ वर्षों की अवधि के दौरान निवल मूल्य ऋणात्मक रहा था।

तालिका 6.11: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का विवरण जिनका निवल मूल्य उनके नवीनतम अंतिमकृत लेखों के अनुसार समाप्त हो गया

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का नाम	लेखों का नवीनतम वर्ष	प्रदत्त पूंजी	कुल राजस्व	कुल व्यय	ब्याज, कर के बाद निवल लाभ (+)/ हानि (-)	संचित हानि	निवल मूल्य	वह अवधि जब से निवल मूल्य ऋणात्मक बना हुआ है	31 मार्च 2023 तक राज्य सरकार की इक्विटी	31 मार्च 2023 तक राज्य सरकार के ऋण
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	हरियाणा कृषि उद्योग निगम लिमिटेड[23]	2021-22	4.14	111.22	132.94	(-) 22.99	(-) 208.53	(-) 204.39	2013-14	2.54	0
2	गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड[24]	2021-22	50	120.34	123.40	(-) 2.64	(-) 57.47	(-) 7.47	2019-20	0	0
3	हरियाणा रोडवेज अभियांत्रिकी निगम[25]	2021-22	6.8	13.52	21.19	(-) 5.82	(-) 8.97	(-) 2.17	2021-22	6.85	0
4	हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय बागवानी विपणन निगम लिमिटेड[26]	2022-23	1.00	0.44	1.12	(-) 0.69	(-) 1.78	(-) 0.78	2021-22	0	0
	कुल		**61.94**	**245.52**	**278.65**	**(-) 32.14**	**(-) 276.75**	**(-) 214.81**		**9.39**	**0**

स्रोत: कॉलम 3 से 9 के संबंध में नवीनतम अंतिमकृत लेखों के अनुसार सूचना तथा कॉलम 10 और 11 के संबंध में संबंधित राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों से प्राप्त सूचना।

---

21 (i) हरियाणा महिला विकास निगम लिमिटेड (ii) गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड (iii) हरियाणा रोडवेज अभियांत्रिकी निगम (iv) हरियाणा पर्यटन लिमिटेड (v) ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज हरियाणा लिमिटेड (vi) हरियाणा पुलिस आवास निगम लिमिटेड (vii) हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (viii) हरियाणा कृषि उद्योग निगम लिमिटेड (ix) हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय बागवानी विपणन निगम लिमिटेड और (x) पानीपत प्लास्टिक पार्क हरियाणा लिमिटेड।

22 (i) हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (2022-23) (ii) उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (2022-23) (iii) दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (2022-23) (iv) हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (2022-23) और (v) हरियाणा वित्तीय निगम (सांविधिक निगम) (2021-22)।

23 कंपनी ने वर्ष 2021-22 के दौरान अपने परिचालन से ₹ 6.62 करोड़ (कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले नकद लाभ) का धनात्मक नकदी प्रवाह उत्पन्न किया है।

24 कंपनी ने वर्ष 2021-22 के दौरान अपने परिचालन से ₹ 6.77 करोड़ (कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले नकद लाभ) का धनात्मक नकदी प्रवाह उत्पन्न किया है।

25 कंपनी के परिचालन से ₹ 6.42 करोड़ का त्रणात्मक नकदी प्रवाह (कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले नकद हानि) है, जिसे मुख्य रूप से अन्य चालू देयताओं के माध्यम से वित्त पोषित किया जा रहा है क्योंकि पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 के दौरान इसमें ₹ सात करोड़ की वृद्धि हुई है।

26 कंपनी ने अभी तक अपना परिचालन शुरू नहीं किया है।

6.6 निवेश के वर्तमान मूल्य के आधार पर रिटर्न

राज्य सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य (पी.वी.) की गणना 27 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों[27] के संबंध में की गई है जहां निवेशों के ऐतिहासिक मूल्य की तुलना में इन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य सरकार के निवेशों के वर्तमान मूल्य पर रिटर्न/हानि की दर के निर्धारण के लिए राज्य सरकार ने इक्विटी/ब्याज मुक्त ऋण और अनुदान/सब्सिडी में निवेश किया है। 31 मार्च 2023 तक प्रत्येक वर्ष के अंत तक निवेशों की ऐतिहासिक लागत को इसके वर्तमान मूल्य तक लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा इन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में निवेश किए गए पिछले निवेश/वर्ष-वार निधियों को राज्य सरकार की प्रतिभूतियों पर वर्ष-वार भारित औसत ब्याज दर पर चक्रवृद्धित किया गया है जिसे संबंधित वर्ष के लिए सरकार की निधियों की न्यूनतम लागत के रूप में माना गया है।

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य की गणना निम्नलिखित मान्यताओं के आधार पर की गई थी:

- राज्य सरकार द्वारा राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में इक्विटी के रूप में वास्तविक निवेश के अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को दिए गए अनुदान/सब्सिडी (परिचालन और प्रशासनिक खर्चों के लिए) को राज्य सरकार द्वारा निवेश के रूप में माना गया है।
- उन मामलों में जहां राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को दिए गए ब्याज मुक्त ऋण को बाद में इक्विटी में परिवर्तित कर दिया गया था, इक्विटी में परिवर्तित ऋण की राशि को ब्याज मुक्त ऋण की राशि से काट लिया गया है और उस वर्ष की इक्विटी में जोड़ दिया गया है।
- संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए सरकारी उधारों पर ब्याज की औसत दर को वर्तमान मूल्य पर लाने के लिए चक्रवृद्धित दर के रूप में अपनाया गया था क्योंकि वे वर्ष के लिए निधियों के निवेश के प्रति सरकार द्वारा व्यय की गई लागत को प्रदर्शित करते हैं और इसलिए इसे सरकार द्वारा किए गए निवेशों पर रिटर्न की न्यूनतम अपेक्षित दर के रूप में माना गया है।

राज्य सरकार के निवेश की वर्तमान मूल्य गणना के उद्देश्य से 1999-2000 से 2022-23 तक की अवधि को 31 मार्च 2000 को राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य सरकार के निवेश पर विचार करते हुए 2000-01 के आरंभ में राज्य सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य के रूप में लिया गया है।

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में इक्विटी/ब्याज मुक्त ऋण और अनुदान/सब्सिडी के रूप में राज्य सरकार के निवेश के विवरण के साथ राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में ऐसे राज्य सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य की समेकित स्थिति ***तालिका 6.12*** में दर्शाई गई है।

---

[27] इसमें एक निष्क्रिय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम अर्थात हरियाणा राज्य लघु सिंचाई एवं नलकूप निगम लिमिटेड और एक राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम अर्थात हरियाणा कॉनकास्ट लिमिटेड शामिल है, जो वर्ष के दौरान 30 सितंबर 2022 को भंग हो गया।

तालिका 6.12: 1999-2000 से 2022-23 तक सरकारी निवेश का वर्तमान मूल्य (वास्तविक रिटर्न)

(₹ करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	वर्ष के आरंभ में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा निवेशित इक्विटी	वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा दिया गया ब्याज मुक्त ऋण	परिचालनात्मक एवं प्रशासनिक व्यय के लिए राज्य सरकार द्वारा दिए गए अनुदान/सब्सिडी	वर्ष के दौरान कुल निवेश	वर्ष के अंत में कुल निवेश	सरकारी उधारों पर ब्याज की औसत दर (प्रतिशत में)	वर्ष के अंत में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	न्यूनतम अपेक्षित रिटर्न	वर्ष के लिए कुल अर्जन	निवेश पर रिटर्न (प्रतिशत में)
1	2	3	4	5	6= (3+4+5)	7=2+6	8	9= (7x8/ 100) + 7	10 = 7x8/ 100	11	12=11/9* 100
1999-2000		612.33*	-	49.95	662.28	662.28	12.05	742.09	79.80	(-) 436.59	-
2000-01	742.09	310.48	-	73.50	383.98	1,126.07	11.40	1,254.44	128.37	(-) 221.85	-
2001-02	1,254.44	59.75	-	98.18	157.93	1,412.37	10.50	1,560.66	148.30	(-) 174.72	-
2002-03	1,560.66	125.40	-	77.49	202.89	1,763.55	10.74	1,952.96	189.41	36.70	1.88
2003-04	1,952.96	123.78	-	80.43	204.21	2,157.17	10.20	2,377.20	220.03	236.76	9.96
2004-05	2,377.20	165.41	-	22.23	187.64	2,564.84	8.49	2,782.60	217.75	(-) 368.24	-
2005-06	2,782.60	417.07	-	31.59	448.66	3,231.26	8.95	3,520.46	289.20	(-) 327.89	-
2006-07	3,520.46	789.96	-	25.90	815.86	4,336.32	9.20	4,735.26	398.94	(-) 442.18	-
2007-08	4,735.26	1,002.23	-	83.03	1,085.26	5,820.52	7.43	6,252.97	432.46	(-) 730.53	-
2008-09	6,252.97	951.64	-	67.39	1,019.03	7,272.00	7.82	7,840.68	568.67	(-) 1,070.16	-
2009-10	7,840.68	903.80	-	41.96	945.76	8,786.44	9.29	9,602.70	816.26	(-) 1,406.59	-
2010-11	9,602.70	888.59	-	98.80	987.39	10,590.09	9.22	11,566.50	976.41	(-) 453.63	-
2011-12	11,566.50	594.63	-	167.40	762.03	12,328.53	9.73	13,528.09	1,199.57	(-) 10,096.15	-
2012-13	13,528.09	176.64	-	61.71	238.35	13,766.44	9.86	15,123.81	1,357.37	(-) 3710.51	-
2013-14	15,123.81	102.93	-	94.88	197.81	15,321.62	9.83	16,827.74	1,506.12	(-) 3,943.54	-
2014-15	16,827.74	75.76	-	153.74	229.50	17,057.24	9.33	18,648.69	1,591.44	(-) 2,648.04	-
2015-16	18,648.69	1,638.52	-	4,076.41	5,714.93	24,363.62	8.64	26,468.64	2,105.02	(-) 1,779.65	-
2016-17	26,468.64	1,931.09	-	4,199.98	6,131.07	32,599.71	8.00	35,207.68	2,607.98	63.68	0.18
2017-18	35,207.68	5462.30	-	176.82	5,639.12	40,846.80	8.10	44,155.39	3,308.59	910.95	2.06
2018-19	36,370.39**	13,327.92	-	350.46	13,678.38	50,048.77	8.81	54,458.07	4,409.30	960.37	1.76
2019-20	54,458.07	5,838.78	-	11.15	5,849.93	60,308.00	8.31	65,319.59	5,011.59	968.29	1.48
2020-21	65,319.59	631.67	-	104.78	736.45	66,056.04	6.50	70,349.68	4,293.64	1,273.18	1.81
2021-22	70,349.68	151.93	-	50.31	202.24	70,551.92	7.05	75,525.83	4,973.91	165.39	0.22
2022-23	75,525.83	200.12	-	230.15	430.27	75,956.10	6.72	81,060.35	5,104.25	995.82	1.23
कुल		**35,870.40**	-	**2,643.24#**	**39,125.97#**						

* विद्युत क्षेत्र के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को अंतरित ₹ 231.90 करोड़ की प्रारंभिक संचित अवशिष्ट हानियों को घटाकर ₹ 844.23 करोड़ की इक्विटी डाली गई। कॉलम नंबर 3, 4 और 10 के संबंध में सूचना को संबंधित वर्षों के मुद्रित लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों से संकलित किया गया है।

** आरंभिक शेष में ₹ 7,785 करोड़ का अंतर उदय योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान (2015-16 और 2016-17 के दौरान प्रत्येक वर्ष में ₹ 3,892.50 करोड़) के कारण था, जिसे वर्ष 2018-19 के दौरान इक्विटी में बदल दिया गया था क्योंकि इसका प्रभाव पहले से ही संबंधित वर्षों के अनुदान में लिया गया था।

\# कुल अनुदान में वर्ष 2018-19 के दौरान इक्विटी में परिवर्तित ₹ 7,785 करोड़ शामिल नहीं हैं।

इन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में राज्य सरकार का निवेश शेष 1999-2000 के ₹ 612.33 करोड़ (₹ 844.23 करोड़ की इक्विटी में से ₹ 231.90 करोड़ की प्रारंभिक अवशिष्ट संचित हानि घटाकर) से बढ़कर 2022-23 के अंत में ₹ 39,125.97 करोड़ हो गया, क्योंकि राज्य सरकार ने इक्विटी, ब्याज-मुक्त ऋण और अनुदान/सब्सिडी के रूप में ₹ 38,513.64 करोड़ का और निवेश किया। 31 मार्च 2023 तक राज्य सरकार के निवेश का वर्तमान मूल्य ₹ 81,060.35 करोड़ था।

इन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का वर्ष 1999-2000 से 2001-02 और 2004-05 से 2015-16 का कुल अर्जन ऋणात्मक रही, जो दर्शाता है कि राज्य सरकार अपनी निधियों की लागत वसूल नहीं कर सकी। यद्यपि 2002-03, 2003-04 और 2016-17 से 2022-23 के दौरान कुल अर्जन धनात्मक रहा, किंतु वह न्यूनतम अपेक्षित रिटर्न से बहुत कम था। पिछले पांच वर्षों, अर्थात 2018-19 से 2022-23 के लिए निवेश के वर्तमान मूल्य पर रिटर्न 0.22 और 1.81 प्रतिशत के बीच रहा, जो मुख्य रूप से विद्युत वितरण कंपनियों में उज्ज्वल डिस्कॉम आश्वासन योजना (उदय) के अंतर्गत निधियों के निवेश के कारण था।

6.7 निष्कर्ष

31 मार्च 2023 तक, राज्य में भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 37 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (दो सांविधिक निगम और 35 सरकारी कंपनियां (तीन निष्क्रिय सरकारी कंपनियों सहित) थे। 2022-23 में 19 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने अपने नवीनतम वित्तीय विवरणों के अनुसार लाभ की सूचना दी, जबकि 2021-22 में 20 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने लाभ की सूचना दी थी। अर्जित लाभ 2021-22 में ₹ 648.75 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में ₹ 1049.20 करोड़ हो गया। वर्ष 2022-23 के दौरान 11 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने अपने अंतिमकृत नवीनतम लेखों के अनुसार ₹ 51.05 करोड़ की हानि सूचित की। 31 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में से चार राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का निवल मूल्य उनकी संचित हानि के कारण पूरी तरह से समाप्त हो गया था।

6.8 सिफारिशें

राज्य सरकार को चाहिए कि:

(i) निष्क्रिय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के संबंध में परिसमापन प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में शीघ्र निर्णय लें क्योंकि वे न तो राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं और न ही उन उद्देश्यों को पूरा कर रहे हैं जिनके लिए उन्हें स्थापित किया गया था।

(ii) उन राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में घाटे के कारणों का विश्लेषण करें जिनकी निवल संपत्ति नष्ट हो गई है तथा उनके परिचालन को कुशल और लाभदायक बनाने के लिए कदम उठाएं।